

2018-Year of Enlightenment” Project Launched Today

‘Self Awareness is the Path to Enlightenment’- Justice L. Nageswara Rao

New Delhi, 13 May 2018: Hon’ble Justice L. Nageswara Rao Judge, Supreme Court of India inaugurated “*National Launch of 2018- Year of Enlightenment” Project* in a public function under the auspices of Brahma Kumaris Organization at Talkatora Stadium here today.

Justice Nageswara Rao addressing an august gathering of about five thousand people said that Brahma Kumaris are spreading the message of love, peace and universal brotherhood all over the world.

He said that much before European age of enlightenment and renaissance, Bhagavad Gita had enunciated path to enlightenment through chapters on Gyan Yoga, Karma Yoga, Bhakti Yoga and Raja Yoga. “In similar vein, the Raj-yoga meditation being taught by the Brahma Kumaris is a path of mediation to self awareness, inner peace, power and balance in life. It leads to enlightenment which enables us to deal with challenging situations and arrive at solutions”, Justice Rao stressed.

He said that in today’s time of tension, stress and discontentment all around, Brahma Kumaris’ this year long Project on Enlightenment would prove to be a milestone in guiding mankind to find true peace and happiness.

Swami Chidanand Saraswati, Head, Parmarth Niketan, Rishikesh in his video address said that Gita is the mother of true wisdom which when implemented can lead to happier life. He explained that through practice of pure & satvick lifestyle and selfless service as expounded in Gita, self enlightenment can be attained.

B.K. Brijmohan, Chief Spokesperson of Brahma Kumaris highlighted that true meaning of enlightenment is experiencing of soul consciousness, its innate qualities of peace, purity, love, and contentment. When we realize true nature and qualities of soul, we all can lead ourselves on the path of enlightenment, he stressed. The true purpose of this year’s project on enlightenment is to take us from ignorance to wisdom, vices to virtues and from sorrow to happiness, he emphasized.

Brahma Kumari Asha, Chairperson, Administrators Wing of Brahma Kumaris said that the root cause of today's problems, is our identity crisis. As we are observing 2018 as Year of Enlightenment, we need to reflect on and reconnect with our inner selves. By this we can restore harmony with our own self, with others and, with the society and this would prove to be foundation of building a harmonious and sustainable society.

The **afternoon session** on "Truth as Revealed by God of Gita" was addressed by senior teachers of Brahma Kumaris, B. K. Usha from Mount Abu and B.K. Chakradhari, Director of Rajyoga Centers in Russia. The Session was followed by guided mass meditation for the gathering.

Dr. Mahesh Sharma, Hon'ble Union Minister of State for Culture (I/C), MoS - Environment, Forest and Climate Change was the Chief Guest in the Evening Session.

प्रेस विज्ञप्ति

2018 ज्ञानोदय वर्ष का राष्ट्रीय शुभारम्भ हुआ

शुआत्म चेतना से होगा ज्ञानोदयश् -जस्टिस एल.नागेश्वर राव

दिल्ली, 13 मई: सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश एल.नागेश्वर राव ने आज स्थानीय तालकटोरा स्टेडियम में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की "ज्ञानोदय वर्ष 2018" परियोजना का राष्ट्रीय शुभारम्भ किया।

उन्होंने भागवत गीता को ज्ञानोदय का सर्वोच्च स्रोत मानते हुए कहा कि आत्म चेतना से ही ज्ञानोदय होता है और मुक्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने इस परिप्रेक्ष्य में गीता वर्णित कर्मयोग, भक्तियोग, ज्ञानयोग एवं राजयोग का उल्लेख करते हुए कहा कि राजयोग ऐसी सरल विधि है जिससे हम आत्म अनुभूति करते हैं, मन का मालिक बन आन्तरिक शान्ति एवं सन्तुलन को प्राप्त करते हैं।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विश्व में शान्ति, प्रेम, मानवता और विश्व बन्धुत्व के लिए कार्य कर रही ब्रह्माकुमारी संस्था में भी राजयोग मंडिटेशन को व्यवहारिक जीवन में अपनाया जाता है और जिसका लक्ष्य है आत्मा को पवित्र एवं शक्तिशाली बनाकर सभी समस्याओं का समाधान करना। उन्होंने संस्था की इस ज्ञानोदय वर्ष जन-जागृति परियोजना की सम्पूर्ण सफलता के लिए अपनी शुभ कामनायें दीं।

परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश के स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने इस उपलक्ष्य पर अपने विडियो सन्देश के जरिये कहा कि माताओं के नेतृत्व में चलायी जा रही यह ब्रह्माकुमारी संस्था पवित्र, सात्विक एवं सन्तुलित जीवन तथा निस्वार्थ सेवा सिखाती है जिससे जीवन में सच्ची सुख और शान्ति की प्राप्ति होती है।

ब्रह्माकुमारी संस्था के अतिरिक्त महासचिव एवं मुख्य प्रवक्ता ब्र0कु0बृजमोहन ने इस अवसर पर कहा कि परमात्मा ने हम सभी को ज्ञानोदय करके भेजा था परन्तु हमने विकारों एवं बुराईयों रूपी पर्दे से इसको ढक लिया है। अब हमें स्वयं की अर्थात् आत्मा की पहचान कर आत्मा के मूल गुणों सुख, शान्ति, प्रेम, आनन्द, पवित्रता और शक्तियों को पुनः जीवन में लाना होगा यही ज्ञानोदय है। उन्होंने कहा कि हमें हर चीज को यथार्थ रूप में देखना होगा, क्योंकि यथार्थ सहज होता है और सदा होता है। इसलिए हमें शरीर जो सदा नहीं रहता उसके स्थान पर स्वयं को व अन्य को आत्मा के रूप में देखना होगा व गुणों को देखना होगा।

नार्थ दिल्ली के मेयर आदेश गुप्ता ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि जीवन में ज्ञानोदय होने से ही सिद्धार्थ गौतमबुद्ध बने, मोहनदास करमचन्द महात्मा गाँधी बने। हर मनुष्य का जीवन तभी सार्थक है जब उसके जीवन में ज्ञानोदय हो।

ओमशान्ति रिट्रीट सेन्टर, गुरुग्राम की निदेशिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी आशा ने ज्ञानोदय को स्पष्ट करते हुए बताया कि केवल आत्मा का ज्ञान ही काफी नहीं है बल्कि उसके साथ आत्मा की समझ और शक्ति चाहिए। व्यक्तिगत, सामाजिक, पारिवारिक, राष्ट्रीय अथवा विश्व की प्रत्येक समस्या के पीछे काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार में से एक या उनका मिश्रित रूप ही कारण है। ज्ञानोदय से इन सबका हल है।

'गीता के भगवान द्वारा प्रदत्त सत्य' के विषय पर अपराहण सत्र को माउंट आबू से पधारी गीता विशेषज्ञ राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी ऊषा ने कहा कि गीता ज्ञान दाता निराकार परमात्मा के आने का समय कलयुग का अन्त है जब अति धर्म ग्लानि होती है। ज्ञान सूर्य परमात्मा के अवतरण से ही अज्ञान अन्धकार का नाश और ज्ञान प्रकाश का उदय होता है। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी संस्था के रशिया स्थिति सेवाकेन्द्रों की निदेशिका बी0के0चक्रधारी ने भी इस विषय पर अपने विचार रखे।

इससे पूर्व विश्व शान्ति के लिए प्रातः 6 बजे से ब्रह्माकुमारी संस्था के दिल्ली, एन.सी.आर. क्षेत्र से आमंत्रित लगभग पाँच हजार योग अभिलाषी लोगों ने संगठित रूप से योग कर वायुमण्डल को शान्त और शक्तिशाली बनाया।